091 सूरह शम्स. (मजामीन)

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब. मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ.

नोट.- ये PDF कोई भाषा या व्याकरण नही हे,
बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

» कामयाब कौन? नाकाम कौन?

चांद सूरज और दिन रात का कायनात का निझाम इस हकीकत का गवाह हे इन्सान का अपने नफस को गुनाहों से पाक कर लेने) से कामयाब और गुनाह व बदकारी से तबाही और नाकामी पाता हे.

सूरज और उस्की रोशनी की कसम. उस्के पीछे निकलने वाले चांद की कसम. दिन की रोशनी और रात की अंधेरी की कसम. झमीन व आसमान और उन्को पैदा करने वाले की कसम और इन्सानी जान की कसम. जीस्को अल्लाह ने दोस्त बनाया फिर उस्को नेकी और बुराइ दोनों समझाइ. जीस्ने अपने आप को गुनाहों से पाक कर लिया वो कामयाब हो गया. और जो गुनाहों मे फंसा रहा वो नाकाम हुवा. देखो कौमे समूद ने हझरत सालेह (अल) को जूठलाया. हझरत सालेह (अल) ने उन्को ऊंटनी का ख्याल रखने का हुक्म फरमाया मगर उन्होंने ऊंटनी को हलाक कर दिया. अंजाम ये हुवा उन्पर अझाब आया और वो बराबर कर दिये गये. और अल्लाह ताला उन्के उस (समुद) के बुरे अंजाम से कोइ डर नही हुवा. (बडे से बडे बडा बादशाह भी जब किसी कौम पर हमला करता हे तो उन्के बचे हुवे लोगों के हमले से कभी बेपरवाह होकर नही रहता, लेकिन अल्लाह तआला को किसी से कोई खतरा नही हे).